BA-I Date: 29.8.2020 Page-1
Paper-I
Unit-7

Dr. Raj Gopal
Department of Philosophy
V.S.J. College Rajnagar

Nyaya : Theory of Pramanas

(न्याय : प्रमाण सिद्धान्त)

न्याय दर्शन का मुख्य प्रतिपाद्य विषय प्रमाणमीमांसा है। न्याय दर्शन की प्रमाणमीमांसा वस्तुवादी है। इसमें ज्ञान एवं इसके साधनों का गहन चिन्तन किया गया है। इसमें आत्मा को ज्ञान का आश्रय माना जाता है। ज्ञान आत्मा का आगन्तुक गुण है। आत्मा में ज्ञान तब उत्पन्न होता है जब वह ज्ञेय (वस्तु) के संपर्क में आता है। न्याय दर्शन के प्रणेता गौतम ज्ञान, बुद्धि और उपलब्धि को समानार्थक मानते हैं। 'तर्क कौमुदी' में ज्ञान को परिभाषित करते हुए कहा गया है - 'अर्थ प्रकाशो बुद्धिः' अर्थात ज्ञान का धर्म वस्तु को प्रकाशित करना है। इस प्रकार से ज्ञान स्वयं प्रकाशक नहीं बल्कि वह वस्तु प्रकाशक है। न्याय दर्शन के इस ज्ञान संबंधित विचारों में तीन बातें महत्वपूर्ण हैं-

(1.) ज्ञान वस्तु का प्रकाशन करता है। वह स्वप्रकाशक नहीं है।

(2.) ज्ञान हमारे समस्त व्यवहारों का आश्रय है। ज्ञान से ही सम्पूर्ण व्यापार संपन्न होता है। अतः ज्ञान को व्यवहार का साधन माना गया है।

(3.) ज्ञान आत्मा का आगन्तुक गुण है।

ज्ञान मुख्यतः दो प्रकार का होता है।

(i) अनुभव

(ii) स्मृति

जिस ज्ञान में विषय अनिवार्यतः विद्यमान हो, उसे ही अनुभव कहते हैं। इसके विपरीत स्मृति वह है, जिसका विषय वर्तमान न होकर अतीत होता है। स्मृति

Scanned with CamScanner

किसी अतीत की वस्तु या अतीत की घटना पर आधारित होता होती है। न्याय दर्शन के ज्ञान का विषय अनुभव है। अनुभव के दो भेद किये गये हैं।

(i) यथार्थ अनुभव
(ii) अयथार्थ अनुभव

यथार्थ अनुभव को ही प्रमा कहते हैं। जहाँ जो वस्तु जिस रूप में है उस का उसी रूप में अनुभव यथार्थ अनुभव है। न्याय दर्शन में यथार्थ अनुभव अर्थात प्रमा के चार भेद स्वीकृत हैं—

(i) प्रत्यक्ष
(ii) अनुमिति
(iii) शाब्दबोध
(iv) उपमिति

न्याय मतानुसार अयथार्थ अनुभव ही अप्रमा है। अप्रमा के सामान्यतः तीन रूप माने गये हैं।—

(i) संशय
(ii) विपर्यय — रस्सी में सर्प का ज्ञान
(iii) तर्क

न्याय दर्शन में प्रमा (ज्ञान) की प्राप्ति का साधन ही प्रमाण है। न्याय दर्शन में चार प्रकार के प्रमाणों को स्वीकृत किया गया है।—

(i) प्रत्यक्ष
(ii) अनुमान
(iii) शब्द
(iv) उपमान

इसकी विस्तृत व्याख्या आगे के व्याख्यान में किया जायेगा।

Scanned with CamScanner